BA Part II(H)
Paper III

Dr. Chiranjeev Kr Thakur
Sociology

Lecture I

ग्रामीण समुदाय की विशेषताएं (Characteristics of Rural Community) :-

ग्रामीण समुदाय की विशेषताएं इस प्रकार है-

1) कृषि व्यवसाय - ग्रामीण समुदाय में अधिकांश व्यक्ति कृषि आधारित व्यवसाय से जुड़े हुए हैं। अपनी सम्पूर्ण आजीविका का संचालन कृषि एवं उससे सम्बन्धित व्यवसाय से ही प्राप्त करते हैं। इस समुदाय के कृषि को प्रभावित करती है।

2) सीमित आकार - ग्रामीण समुदाय का आकार सीमित होता है। अधिकांश इस समुदाय में सभी एक दूसरे के साथ रिश्तेदार के रूप में बंधे होते हैं ग्रामीण समुदाय के लोग धर्म जाति के आधार पर विभाजित होते हैं। सामान्य रूप से ग्रामीण समुदाय के लोगों की कृषि भूमि उनके घर के आस-पास ही होता है ताकि वह इसकी समुचित देखभाल कर सके। कभी-कभी गांवों की जनसंख्या बढ़ने पर गांवों के भागों में भी विभाजित हो जाता है। कभी कभी तो गांवों की जनसंख्या बहुत ही कम है।

3) प्राकृतिक पर्यावरण – भारत में ग्रामीण समुदाय का जीवन प्राकृतिक पर्यावरण की दशाओं पर निर्भर करता है। कृषि के लिए वर्षा पर निर्भर होना पड़ता है। प्रकृति के निकट होने पर उनकी परम्परा, संस्कृति, त्योहार, व्रत आदि व्यवहार प्रभावित होता है। नागरिक सुविधाओं की कमी होने के कारण बाढ़ सूखे और महामारियों जैसे प्राकृतिक संकटों की समस्या हमेशा बनी रहती है।

4) परिवार समाजीकरण का मुख्य आधार – ग्रामीण समुदाय में परिवार ही समाजीकरण का मुख्य आधार है। जन्म से लेकर प्रौढ़ अवस्था तक का समाजीकरण करने में परिवार की ही मुख्य भूमिका होती है। परिवार और रिश्तेदारों से व्यक्ति कृषि कार्यों के तरीके, रीति-रिवाजों, व्यवहार के तरीकों और सांस्कृतिक विशेषताओं को सीखते हैं। व्यक्ति पीढ़ी दर पीढ़ी सांस्कृतिक विशेषताओं को यहीं ग्रहण करता है। विभिन्न योजनाओं, क्रियाकलाप, खरीदी, यात्रा आदि सम्बन्धित निर्णय-लेने का आधार परिवार ही होता है।